(a) Ministry of Surface Transport is not aware of such eleborate plan.

(b) Does not arise.

(c) Does not arise.

Loss of MIG aircrafts crashes

*120. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) the number of IAF fighter aircrafts lost in crashes since 1973, till date, and how many of these are MIG aircrafts;

(b) what is the total estmated loss suffered as a result of these crashes;

(c) the number of crew members who died in these accidents;

(d) the number of MIG figther aircrafts crashed due to inherent technical defects; and

(e) what is the outcome of the negotiations with the suppliers of MIG aircrafts for supplying technically defective aircrafts?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI MULAYAM SINGH YADAV): (a) to (d) Since 1973 IAF have lost 477 fighter aircraft in air crashes which include 314 MIG variants. Out of these MIG variants, 118 were lost due to technical defect 135 IAF pilot have been killed and a loss of approximately Rs. 1237 Crores has been suffered on account of these accidents.

(e) No general negotiations have been conducted with suppliers of MIG aircraft. However, whenever technical defect is suspected, matter is taken up with designer/ manufacturer on case-to-case basis. A warranty clause is available in all the repair and supply contracts with foreign agencies for free repairs/ replacements during the warranty period.

WRITTEN ANSWERS TO UNSTARRED QUESTIONS

गावों में उप-डाकघर

776. **प्रो॰ राम बख्श सिंह वर्मा:**
श्रीमती मालती शर्मा:

क्या **संचार मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में आज की स्थिति के अनुसार कितने गाँवों में उप-डाकघर कार्य कर रहे हैं;

(ख) नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान देश में कितने गावों में उप-डाकघर खोले जायेंगे;

(ग) डाकघर खोलने के लिये क्या मानदण्ड निर्धारित किये गये हैं;

(घ) क्या ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में डाकघर खोलने के लिये मानदण्डों में कोई अन्तर है;

(ङ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(च) वर्ष 1997-98 के दौरान उत्तर प्रदेश में कितने उप-डाकघरों की संस्वीकृति दी गई?

संचार मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा): (क) समूचे देश के 6,08,573 गांवों में से 1,46,801 गांवों में डाकघर हैं। समूचे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में 14,444,34 डाकघर कार्य कर रहे हैं।

(ख) जनजातीय क्षेत्रों तथा अन्य क्षेत्रों में विभागीय डाकघर खोलने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। अब तक योजना आयोग द्वारा वार्षिक योजना, 1997-98 के दौरान डाकघर खोलने के लक्ष्यों को मंजूरी प्रदान की गई है। वर्ष 1997-98 के दौरान समूचे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में खोले जाने वाले अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघरों का सर्किलवार ब्यौरा विवरण-I में दिया गया है। **(नीचे देखिए)**

(ग) डाकघर खोलने के मानदण्ड विवरण-II में दिए गए हैं। **(नीचे देखिए)**

(घ) शहरी क्षेत्रों में अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर नहीं खोले जाते हैं। शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विभागीय उप-डाकघर खोलने के मानदंड अलग-अलग हैं।

(ङ) शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के मानदण्डों में अंतर का कारण यह है कि शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या का अत्यधिक घनत्व होता है जिसके परिणामस्वरूप डाकघर से अधिक आय की प्राप्ति होती है तथा यह आत्मनिर्भर बना रहता है।

(च) वर्ष 1997-98 के दौरान उत्तर प्रदेश के लिए मंजूर किए गए डप डाकघरों की संख्या 2 है।